जुगनुओं के पास भी ईमान है

ग़ज़ल संग्रह

निर्मल चन्द 'निर्मल'

Scanned with OKEN Scanner

गुगनुओं के पास भी ईमान है
(ग़ज़ल संग्रह)

प्रकाशक
नवल प्रकाशन,
117 , मोहन नगर वार्ड , सागर (म.प्र.) पिन – 470002
दूरभाष : (07582) 249251

प्रथम संस्करण :
वर्ष – 2006

सर्वाधिकार :
नवल प्रकाशन, सागर (म.प्र.)

मूल्य : 60 रू मात्र

मुद्रक : इला प्रिंटर्स ,
117 , मोहन नगर वार्ड , सागर (म.प्र.) पिन – 470002
दूरभाष : (07582) 249251

Scanned with OKEN Scanner

सूची

१. संसार तो मिले	९
२. अच्छा नहीं किया	१०
३. रूह भी चाहिये दोस्ती के लिए	११
४. वो जन्नत और क्या होगी	१२
५. आसां होता नहीं मछली सी मोहब्बत करना	१३
६. बज़्म उनकी है	१४
७. जुगनुओं के पास भी ईमान है	१५
८. मौसम सुहाने हो गये	१६
९. हम एतवार करते हैं	१७
१०. फूले नहीं समाने लोग	१८
११. नासमझ इस दौर में बदनाम होते हैं	१९
१२. धर्म के नाम अहं का ही बोलबाला है	२०
१३. काफिया तंग रहा बहर बेठिकाने की	२१
१४. भारत के लोग कर दिये सस्ते जमीन पर	२२
१५. क्या अजब होते हैं लोग	२३
१६. तलाशें तो कहाँ	२४
१७. अब कहाँ गाँव कहाँ देहाती	२५
१८. सोये चादर तान मिले	२६
१९. ऐसा क्यों है	२७
२०. और तो कोई बात नहीं	२८
२१. लेख में निर्माण लिखवाने लगे हैं	२९
२२. भूख लगी है हमें रोटी लाओ	३०
२३. इन फिजाओं को यही मंजूर है	३१
२४. एक जलजला है दोस्त	३२

Scanned with OKEN Scanner

२५. कल्पित ही पुण्य कमायें हम	३३
२६. कौन से ठौर बरस जाये वो बदरिया है	३४
२७. चोरियों में लिप्त मिलते साव अब	३५
२८. गनपत दाऊ तनक सोचो तो (बुन्देली)	३६
२९. हम का के हें दुनिया के रई (बुन्देली)	३७
३०. धर्म क्या हो	३८
३१. मुफ्त में पाया हुआ यह माल है	३९
३२. भोजपुर-शिवजी के नाम प्रार्थना	४०
३३. एक सत्य पर चढ़े हुए है अहंकार के कितने खोल	४१
३४. हमें विदा मिलती है	४२
३५. राजीव रत्न गाँधी	४३
३६. पिताजी	४४
३७. जन्म दिन-एक	४५
३८. जन्म दिन-दो	४६
३९. मोहब्बत तो होती है पर होते-होते	४७
४०. गीत है ये जिन्दगी	४८
४१. हर सिम्त उजाला होगा	४९
४२. हमारी शामत आयी है	५०
४३. जीतना चाहें जहाँ को	५१
४४. कुछ कही कुछ अनकही	५२
४५. परछाईयाँ रह जायेंगी	५३
४६. बर्बादियों की आँच का अपना मजा भी है	५४
४७. ज़िन्दगी की ग़ज़ल	५५
४८. लूट ली डोली सफर में ही कहारों ने	५६

Scanned with OKEN Scanner

४९. गाँव अपना गाँव है	५७
५०. आ गया मधुमास	५८
५१. वरदान है होली	५९
५२. महाकवि पद्माकर	६०
५३. दरारों पर लिखो	६१
५४. ऋण तो अदा करो	६२
५५. महात्मा गाँधी	६३
५६. ज़िन्दगी का फलसफा	६४
५७. आदमी तो तन्हा है	६५
५८. बाईबिल गीता है आदमी	६६
५९. उजाले देखो	६७
६०. चादर में निर्मल समाया नहीं	६८
६१. बारिस का मौसम (बाल रचना)	६९
६२. नया वर्ष	७०
६३. कौमी तराना आ गया	७१
६४. मृत्यु की तान पर भी गीत गुनगुनाते हैं	७२
६५. कौन उड़ जायेगा होगी भी न खबर तुमको	७३
६६. जमाने से पहले	७४
६७. वृन्दावन घर आंगन है	७५
६८. हिन्दी हिन्दोस्तान की	७६
६९. जब बोलना आता है दोस्त	७७
७०. जिन्दगी पशुओं -परिन्दों की तो आजाद करें	७८
७१. राम की चलती नहीं है	७९
७२. डाल पै डेरा नहीं होता	८०

Scanned with OKEN Scanner

सामान्य परिचय

निर्मल चन्द ' निर्मल '

नाम – निर्मल चन्द 'निर्मल'
जन्म – 6 मार्च 1931, चकराघाट, सागर (म. प्र.)

पूर्व प्रकाशित काव्य कृतियाँ

1. उठाओ कुदाली
2. और कुछ नहीं हुआ
3. गीत वही लिख पाता है
4. गीत है ये जिन्दगी
5. कुछ ऐसे लोग हुआ करते
6. याद नहीं बिसरी

विशेष – अनेक साहित्यिक सम्मानों से विभूषित

स्थाई पता – पुर्बियाऊ टौरी, सागर (म. प्र.)
☎ : 222756, 409058

इला प्रिंटर्स, सागर 249251

Scanned with OKEN Scanner